



BALANCED USE OF FERTILIZERS

Major plant nutrients are not present in sufficient quantities for optimum growth of tea plants. Nitrogen (N) promotes quantity and speeds up the leafy growth. Phosphate (P) helps in promoting root growth while Potash (K) promotes vigour, helps metabolism and gives strength to plant to fight out drought conditions. Zinc a micronutrient, is also needed for healthy growth.

It is advisable to get soil tested of tea gardens and then follow the recommendations. Leaflet 'no. 1' on Fertilizer use in Tea Gardens of Himachal Pradesh released last year gives a general recommendation to use 36 kg. N, 36 kg P₂O₅, 36 kg K₂O and eight kg. Zinc sulphate per acre. See details in the leaflet mentioned above. Place the fertilizers about 15 cm (6") away from the base and it is preferably lightly forked in the ground. Wrong application of fertilizers can do more damage than good to tea bushes as shown in the pictures below.

CAUTION : Do not throw fertilizers on tea bushes.

विवादनी : उर्वरकों को चाय के पौधों पर न फेंकें।

نोट : खादों को जाने के पूर्दों पर न फेंकें।

खादों का संतुलित प्रयोग

चाय के पौधों की सही वृद्धि के लिए जमीन में सुध्य पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मौजूद नहीं होते। नाइट्रोजन (एन) से पत्तों की बढ़ातरी होती है। फास्फेट (पी) जड़ों के विकास में सहायक होती है जबकि पोटाश (के) से मजबूती बढ़ती है, पौधों की प्रक्रिया ठीक रहती है तथा सूखे का प्रभाव कम होता है। लघु पोषक तत्व जस्ते (जिंक) की भी स्वस्थ वृद्धि के लिए जरूरत होती है।

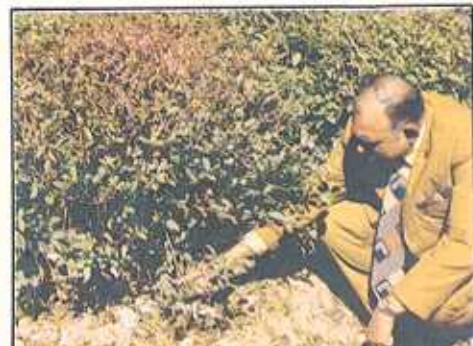
चाय बागान की मिट्टी का परीक्षण कराकर खादों सिफारिशों मुताबिक खादों का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। 'हिमाचल प्रदेश के चाय बागान में खादों का प्रयोग विषय पर पिछले वर्ष जारी किए गए प्रपत्र 'नं. 1' में प्रति एकड़ 36-36 किलो एन.पी. के तथा आठ किलो जिंक सलफेट के प्रयोग की आम सिफारिश की गई है। मात्रा का विवरण उक्त प्रपत्र में देखें।

रासायनिक खादें (उर्वरक) पौधों के चारों ओर 15 से मी. (6") दूर ढालें और उसे हल्के से मिट्टी में मिला दें। उर्वरकों के गलत ढंग से प्रयोग से चाय के पौधों को लाभ होने की वजाय अधिक हानि होती है जैसा कि नीचे के चित्रों में दिखाया गया है।

खादों का बराबर استعمال

पाले के पूर्दों की सही वृद्धि के लिए जमीन में खादों खोराक के अंश या मादे खेड़ों की मात्राये मौजूद नहीं होते। नाइट्रोजन (एन) से पत्तों की बढ़ातरी ज्यादा होती है। फास्फेट (पी) जड़ों की विकास में सहायक होती है जबकि पोटाश (के) से मजबूती बढ़ती है, पौधों की प्रक्रिया ठीक रहती है तथा सूखे का प्रभाव कम होता है। लघु पोषक तत्व जस्ते (जिंक) की भी स्वस्थ वृद्धि के लिए जरूरत होती है। जिंक की मात्रा खादों की विकास में ज्यादा होती है तो उसकी विशेषता उसकी विकास को बढ़ावा देती है।

जाने यागान की मिट्टी का विवरण कराकर सिफारिशों के अनुसार खादों का अनुपात खादों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात खादों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है। जापानी पौधों के अनुपात के अनुसार दिया जाता है।



WEED CONTROL IS MUST

खरपतवार नष्ट करना
ज़रूरी है

گھاس پھوس کو برپا کرنا اہم ہے۔



SOME USEFUL MIXTURES

However, for ready reference see the following schedule of herbicide quantities and mixtures. For one acre use 200 litre water for preparation of solution. Post-emergence spray of herbicides may be done in May/June and repeat application is done in September.

Pre-emergence herbicides : Sprayed after cheeling the ground clean on moist soil. Diuron 1 kg. or Simazine 1.5 kg.

Post-emergence herbicides : Diuron 250 gm. + Gramoxone 500-650 ml. Simazine 1.5 kg. + Gramoxone 500-650 ml. Dalapon 1.75 lg. + 2, 4-D 500 gm; Glyphosate 1 litre; 2, 4-D 500 gm. + Gramoxone 500-650 ml. Apply herbicides with care preferably with spary-guards to avoid drift damage to tea plants.

After ground level pruning, chemical weed control measures must be taken up to avoid smothering effect of weeds on regenerating tea bushes. Diuron, Simazine, Dalapon, Glyphosate, 2,4-D and Gramoxone are the main herbicides used for control of weeds in tea gardens. Refer to the detailed leaflet 'no. 2' issued last year on "Weed Control in Tea" for quantities of herbicides and their methods of application.

जमीन की सतह तक हैंधर करने के बाद गासायनिक पौधनाशकों से खरपतवार नष्ट करना ज़रूरी है ताकि नया जीवन पाने वाले चाय के पौधों को खरपतवारों के बरे प्रभाव से बचाया जा सके। चाय बागान में खरपतवार नष्ट करने के लिए मुख्यतः डायूरोन, सिमाजीन, डेलापोन, रलाइफोसेट, 2, 4-डी व ग्रामोक्सीन नामक पौधनाशक प्रयोग किए जाते हैं। पिछले वर्ष "चाय में खरपतवारों की रोकथाम" पर जारी किए गए प्रपत्र "नं. 2" में पौधनाशकों की मात्रा व प्रयोग करने का ढंग देखें।

نیجن کی سطح تک پختہ کرنے کے بعد گھاس پھوس بدلنے والی دواؤں سے گھاس پھوس برپا کرنا بہت اہم ہے۔ جو کہ قندیلی مصال کرنे والے जाने कے پوچ्चوں کو گھاس پھوس کے ब्रे अर्थे بچाया जाने के باقاعد़ میں گھاس پھوس کو قلع کرنے کے لئے خاصک ڈायूरोن، सिमाजीن، ڈेलापोन، 2, 4-डी व ग्रामोक्सीन پौधनाशक ستھان میں لائے جاسکتے ہیں۔ لگدشت سال "जाने میں فاتح" گھاس پھوس کی روک عنایم "پر جاری کئے گئے" فیلڈ نیبرود میں پونڈ ناشکوں کی مقادیر اور استعمال کا ذمہ دیکھیں۔

کچھ فائدہ مند مکسج

फir भी, आपकी तरन्त जानकारी के लिए हम पौधनाशकों की मात्रा व मिश्रण का सौझाप्त विवरण नीचे दे रहे हैं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लिटर पानी में घोल बनाए। अंकुरण के बाद प्रयोग होने वाले पौधनाशकों का छिड़काव मई/जून में करें तथा इनका दोबारा छिड़काव मित्स्वर में करें।

अंकुरण से पूर्व प्रयोग होने वाले पौधनाशक : साफ व नमी युक्त जमीन पर छिड़काव करें। डायूरोन । किलो या सिमाजीन 1.5 किलो।

अंकुरण के बाद प्रयोग होने वाले पौधनाशक : डायूरोन 250 ग्राम + ग्रामोक्सीन 500-650 मि.लि.; सिमाजीन 1.5 किलो + ग्रामोक्सीन 500-650 मि.लि.; डेलापोन 1.75 किलो + 2, 4-डी 500 ग्राम; रलाइफोसेट 1 लिटर; 2, 4-डी 500 ग्राम + ग्रामोक्सीन 500-650 मि.लि।

पौधनाशकों का प्रयोग सावधानी से करें, 'स्प्रे गाड़' (छिड़काव आवरोधक) के साथ ताकि चाय के पौधों को नुकसान न हो।

پھر ہی آپ کی جانکاری کرنے لئے ہم پونڈ ناشکوں کی مقدار دعویں کا مختصر بیان
نہیں دے سکتے ہیں۔

یک بیلہ رقبے کے لئے ۱۰۰ بیلہ بیان میں گھوول بنائیں۔ یعنی جتنے کے بعد گھاس
پھوس مانستے والی دواؤں کا پیچکا کوئی ملی جوں میں کریں اور ان کا دوبارہ پھرو
سکتے ہیں۔

یعنی جتنے سے پہلے گھاس مانستے والی دواؤں میں:

صاف اور خالی زین پر پھر لاؤں۔ ڈायूरोन اک्गرام یا سیمازین ۰.۵ کو گرم
بچنے اُنکے لئے جو گھاس پھوس مانستے والی دواؤں میں:

ڈायूر ۰.۵، گرام ۰.۴ گرام کسٹن ۰.۵-۰.۵ گرام یا ۰.۴۵-۰.۵ گرام؛ گھلائی ۰.۵-۰.۵ گرام
اویز ۰.۲-۰.۳ گرام ۰.۵ گرام ۰.۴۵ گرام ۰.۴۵-۰.۵ گرام۔

پونڈ ناشکوں کا استعمال پہلے گارڈ کے ساتھ دھیان سے کریں۔ تاکہ جانے
کے پونڈوں کو غصان نہ ہو۔